

E content .by:-

Dr.Kavita Kumari

P.G Dept. Of Home Science.

Course: MHSC. CC-7,M.A. Semester-II

Topic: Texture :An important component of fashion

Mob:No.+91-9430429995

Email: drkavitakumarisingh@gmail.com

Texture :An important component of fashion

Texture

The one element that you can see or feel is called texture. It may be smooth,fuzzy furry ,shiny, dull, bulky, rough, crisp etc. Texture of the fabrics depends on many factors like quality of the fibres, process used in making fabrics or finishes applied to the fibres ,yarn or fabrics .

Types of texture

- Tactile-Texture that can be felt by touch (rough, smooth)
- Visual-texture that can be seen.(shiny, dull, matte)

Why is texture important in fashion ?

Texture constitutes an important chapter in fashion designing Because texture greatly affects the look of a garment, the feel, its lucidity in a way influencing the appearance of the person wearing the garment.

Fabrics with shiny or glossy texture reflects more light and helps in increasing the appearance of the bod size. Similarly fabrics with bulky ,furry ,fuzzy or thick texture also helps in increasing the body size.

But, those fabrics having

- Dull

E content .by:-

Dr.Kavita Kumari

P.G Dept. Of Home Science.

Course: MHSC. CC-7,M.A. Semester-II

Topic: Texture :An important component of fashion

Mob:No.+91-9430429995

Email: drkavitakumarisingh@gmail.com

- Thin to mid weight, smooth and flat surfaces would decrease the appearance of body size.

Dull or matte finish textures absorb light and generally make the figure look smaller. Look for such fabrics as raw silk, taffetas, gingham, denim, wool jersey, sailcloth, broadcloth and chambray. Tall people should avoid bulky and weighty textures. The best suited textures for tall people are smooth and shiny ones. Crisp textures with tailored cut helps accentuate body curves enhancing the overall personality of the individuals.

Short people should pick from soft and dull textures, those that won't draw the focus to the body size but will evenly distribute it to aspects as shape and contours. One more thing texture creates new emotional experiences. The softness of a baby blanket, the crisp feel of the disposable hospital bed sheet, the rustle of a newly tailored wedding gown are all things which we always remember because of the texture and its experience. Which is why decorators and designers are forever trying to come up with new textures.

Not all textures that are visually appealing can be worn. To wear or drape attires you have to be alert about the feel of the texture – if you are not comfortable wearing a certain texture – it's going to kill your entire look.

Conclusions:

- Texture can change the perception of size and shape of the body.

E content .by:-

Dr.Kavita Kumari

P.G Dept. Of Home Science.

Course: MHSC. CC-7,M.A. Semester-II

Topic: Texture :An important component of fashion

Mob:No.+91-9430429995

Email: drkavitakumarisingh@gmail.com

- It can make colour look different means a fabric with shiny texture will look a shade lighter than a fabric with rough texture of the same colour or shade. Rough texture dulls the colour and shiny surface reflects light.
- It can change the drape of the clothes.

Rough and heavy textured fabrics with tight weave are stiff and will stand away from the body while soft textured fabrics may be very drapy.

Texture

किसी भी चीज को छूने या देखने से जो महसूस होता है ,उसे टेक्सचर कहते हैं। अगर कपड़े की बात करें तो यहाँ भी ये बात लागू होती है। जब भी ड्रेस या ड्रेस मटेरियल खरीदने जाते हैं तो देखने के बाद उसे छूते हैं कि कैसा है?कपड़ा खुरदुरा है ,चिकना है ,पहनने के बाद आरामदायक लगेगा या नहीं ,ड्रेस बनने के बाद इसका शेप अच्छा होगा या नहीं आदि। एक अच्छे और उपयोगी ड्रेस के लिए कपड़े का टेक्सचर बहुत महत्वपूर्ण होता है। कपड़े का टेक्सचर चिकना ,खुरदुरा ,चमकने वाला ,कम चमकीला ,रोयेंदार या और भी दूसरे तरह का हो सकता है । कपड़ा देखने में या छूने पर कैसा लगता है यह निम्नलिखित बातों पर निर्भर करता है जैसे :

E content .by:-

Dr.Kavita Kumari

P.G Dept. Of Home Science.

Course: MHSC. CC-7,M.A. Semester-II

Topic: Texture :An important component of fashion

Mob:No.+91-9430429995

Email: drkavitakumarisingh@gmail.com

- रेशे के प्रकार जो कपड़ा बनाने में प्रयोग किया गया है।
- किन विधियों के द्वारा कपड़ा बनाया गया है जैसे बुनाई ,जमाने से,या निटिंग ।
- किन -किन finishes का प्रयोग हुआ है। जैसे कलेण्डरिंग,मरसेराइसिंग,नैपिंग इत्यादि।

- टेक्सचर दो प्रकार का होता है -

i. विजुयल(visual)

इसे कपड़े को देखकर महसूस किया जा सकता है जैसे : अधिक चमकने वाला ,कम चमकने वाला ,matte सतह ,रोयेंदार आदि ।

ii. Tactile

जब कपड़े को छूने के बाद जो feeling या अहसास होता है वो tactile टेक्सचर कहलाता है। जैसे : चिकना सतह ,खुरदुरा सतह आदि।

फैशन डिजाइनिंग में कपड़े का टेक्सचर काफी महत्वपूर्ण होता है क्योंकि यह ड्रेस के स्वरूप को निर्धारित करता है,कपड़े को पहनने के अहसास को प्रभावित करता है,यहाँ तक ड्रेस पहनने के

E content .by:-

Dr.Kavita Kumari

P.G Dept. Of Home Science.

Course: MHSC. CC-7,M.A. Semester-II

Topic: Texture :An important component of fashion

Mob:No.+91-9430429995

Email: drkavitakumarisingh@gmail.com

बाद आपका शारीरिक बनावट कैसा दिखेगा यह भी बहुत हद तक कपड़े के टेक्सचर पर निर्भर करता है। कोई भी ड्रेस किस अवसर के लिए बनाया गया है और उसके लिए किस तरह का टेक्सचर उपयोगी होगा यह एक अच्छे ड्रेस डिजाइनर के लिए जानना अत्यंत आवश्यक होता है। जैसे कोई ड्रेस पार्टी में पहननी है तो वैसा फ़ैब्रिक का प्रयोग होना चाहिए जिसमें शाइनिंग या चमक हो ,शारीरिक बनावट अच्छी दिखे ,ड्रेस को छूने के बाद अच्छा अहसास हो। अगर बच्चे के लिए ड्रेस बनाना है तो मुलायम टेक्सचर का फ़ैब्रिक इस्तेमाल करना चाहिए ताकि बच्चे के स्किन के लिए आरामदायक हो।

अतः यह कहा जा सकता है कि कपड़े का टेक्सचर निम्नलिखित कारणों से फैशन के लिए महत्वपूर्ण है:

- यह शारीरिक बनावट को बढ़ाता या घटाता है। उदाहरण के लिए अगर कपड़े का टेक्सचर चमकीला ,लाइट रिफ्लैक्ट करता है तो ऐसे टेक्सचर का ड्रेस पहनने से बॉडी साइज़ बड़ा दिखता है।
- अगर कोई ड्रेस का मटिरियल फर वाला हो ,थोड़ा भारी लुक देता है ,या स्टीफ़ या कडा हो तो ऐसे में भी आपका बॉडी साइज़ बड़ा दिखेगा ।

E content .by:-

Dr.Kavita Kumari

P.G Dept. Of Home Science.

Course: MHSC. CC-7,M.A. Semester-II

Topic: Texture :An important component of fashion

Mob:No.+91-9430429995

Email: drkavitakumarisingh@gmail.com

- इसके विपरीत वैसा कपड़ा जिसमें कम चमक है ,थोड़ा डल लुक वाला है और उसकी draping अच्छी हो आपके शरीर पर कपड़ा बैठ जाने वाला हो तो आपके बॉडी साइज़ को कम करता है।
- कपड़े का टेक्सचर उसके रंग को भी प्रभावित करता है। जैसे एक ही रंग का कपड़ा अगर उसका टेक्सचर भिन्न - भिन्न हो तो रंग का प्रभाव भी अलग -अलग होता है।
- जैसा कि ऊपर में बताया गया है कि कपड़े का टेक्सचर उसके ड्रापिंग को भी निर्धारित करता है।

निष्कर्ष :

टेक्सचर फैशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसे कोई भी ड्रेस डिजाइनर नकार नहीं सकता । कोई भी ग्राहक जब कोई ड्रेस पसंद करता है तो डिजाइन और रंग को सबसे पहले देखता है और अगला कदम होता है उसे छू कर अवश्य देखना। पहनने पर स्किन को चुभेगा तो नहीं?पहनने पर यह आरामदायक तो लगेगा न?कभी - कभी ड्रेस काफी सुंदर होता है लेकिन उसका मटेरियल आरामदायक नहीं होता ऐसे में बहुत सारे लोग हैं जो उस ड्रेस को पहनना पसंद नहीं करते विशेषकर बच्चे, और

E content .by:-

Dr.Kavita Kumari

P.G Dept. Of Home Science.

Course: MHSC. CC-7,M.A. Semester-II

Topic: Texture :An important component of fashion

Mob:No.+91-9430429995

Email: drkavitakumarisingh@gmail.com

बूढ़े। अगर फ़ैन्सी ड्रेस है तो उसमें मटिरियल के टेक्सचर पर कम उसके डिजाइन पर ज्यादा ज़ोर दिया जाता है। अगर कोई ड्रेस आप रात में सोने टाइम पहन रहे हैं तो इस बात का विशेष ख्याल रखा जाता है कि इस्तेमाल किया गया फ़ैब्रिक का टेक्सचर आरामदायक हो। ठंडी में पहनने वाले ड्रेस पर वाले या वैसी बुनावट वाले होने चाहिए जो बॉडी को गरम रख सके।